ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)

बुलेटिन संख्या-६२
दिनांक-मंगलवार,२८ अगस्त,२०१८

टेलीफोन - ०६२७४-२४०२६६

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः ३२.५ एवं २६.५ डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ८७ सुबह में एवं दोपहर में ८३ प्रतिशत, हवा की औसत गति ५.२ कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण ३.६ मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ७.३ घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में २६.३ एवं दोपहर में ३१.६ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में पूसा मौसमीय वेद्यशाला में १६.४ मि०मी० वर्षा रिकार्ड हुई।

• मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

(२६ अगस्त से २ सितम्बर, २०१८)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा,समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी २६ अगस्त से २ सितम्बर,२०१८ तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-

- पूर्वानुमानित अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में हल्की वर्षा हो सकती है। कुछ स्थानों में मध्यम वर्षा होने का अनुमान है। इसकी संभावना तराई के जिलों में अधिक है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान ३२ से ३५ डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान २६ से २७ डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।
- औसतन १० से १२ कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से पूरवा हवा चलने का अनुमान है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में करीब ६० से ६५ प्रतिशत तथा दोपहर में ७५ से ८० प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- दुधारु पशुओं को जीवाणु जनित बीमारीयों से बचाने के लिए वर्षा या बाढ़ के पानी में भिंगे चारा या भूसा नहीं खिलाए। पशु के पैरों को फिटकिरी के पानी या पोटाशियम परमैगनेट के घोल से धोये। थनैला रोग से बचाव के लिए दुध दुधाई के आधे घंटे बाद तक पशुओं को बैठने न दें। दुधाई के बाद जीवाणुनाशक घोल से थनों को धो दें। सबक्लीनीकल मसटिटिस की जाँच के लिए दुध का पी.एच. लिटमस पेपर से देखें। पी.एच. ७ से अधिक होने पर मैमिडियम, मास्टीकील, मैमीअप दवाओं का प्रयोग करें एवं खनिज मिश्रण ५० ग्राम प्रति दिन दें। पशु गृह को हवादार रखें एवं नियमित रूप से साफ सफाई पर विशेष ध्यान दें।
- मिट्टी जनित रोग को नष्ट करने तथा स्वस्थ फसलों के उत्पादन हेतु किसान भाई ट्राइकोडरमा फफूंद से मृदा उपचार करें। इसके लिए एक किलोग्राम ट्राइकोडरमा को १०० किलोग्राम भिंगे गोबर की खाद में अच्छी तरह मिलाकर फर्श पर फैलाकर पॉलिथिन से ढ़क देते है। ६-७ दिनों बाद गोबर खाद मिश्रित ट्राइकोडरमा को खेत की अन्तिम जूताई में शाम के समय समान रुप से प्रयोग करते है। ध्यान दें कि नमीयुक्त गोबर की मिश्रित खाद का तापमान २५-३० डिग्री बनी रहें, इसके लिए बीच-बीच में खाद को उलट-पलट करते रहें। रासायनिक खाद के साथ इसे कदापि नहीं मिलावें।
- भिंडी की फसल में पीला मोजैक वायरस से ग्रस्त पौधों की निगरानी करें। यह रोग सफेद मक्खी द्वारा फैलता है। इसमें पौधे की शिराए पीली होकर मोटी हो जाती है और बाद में पत्तियाँ भी पीली परने लगती है। बीमारी की उग्र अवस्था में तने एवं फलों का रंग भी पीला पर जाता है। रोगग्रस्त पौधा एवं फलियाँ छोटे रह जाते है। रोग के विस्तार से बचाव के लिए इमिडाक्लोप्रिड एक मी०ली० प्रति ३ लीटर पानी की दर से घोल बनाकर आसमान साफ रहने पर छिड़काव करें।
- धान की फसल में पत्ती लपेटक (लीफ फोल्डर) कीट की निगरानी करें। इस कीट के पिल्लू धान के पत्तियों के दोनो किनारों को रेशमी धागे से जोड़कर उसके अन्दर रहते है तथा पत्तियों की हरीत्तिमा को खाता है। इस प्रकार का लक्षण दिखने पर बचाव के लिए करताप हाईड्रोक्लोराईड दाने-दार दवा का १० किलोग्राम प्रति एकड़ की दर से व्यवहार करें। पिछात धान की फसल में खरपतवार नियंत्रण के कार्य को प्राथमिकता दें।
- धान की फसल में खैरा बीमारी दिखाई पड़ने पर खेतों में जिंक सल्फेट ५.० किलोग्राम तथा २.५ किलोग्राम बुझा चूना का ५०० लीटर पानी में घोल बना कर एक हेक्टेयर में छिड़काव करें।
- धान की फसल में तना छेदक कीट की निगरानी करें। इस कीट की सूंडीयाँ तनो में घुसकर क्षती पहुचाती है। प्रारंभिक अवस्था में बीच का भाग भूरापन लिए सुख जाता है, परन्तु नीचली पत्तियाँ हरी रहती है। सुखी पत्तियों को खींचने से वह आसानी से बाहर निकल आती है। इस प्रकार का लक्षण दिखने पर बचाव के लिए फेरोमोन ट्रैप की १२ ट्रैप प्रति हेक्टेयर का प्रयोग करे। खेतो में ५ प्रतिशत क्षतिग्रस्त पौधें दिखाई देने पर करताप हाईड्रोक्लोराईड दाने-दार दवा का अथवा फिप्रोंनिल ०.३ जी का १० किलोग्राम प्रति एकड़ की दर से व्यवहार करें।
- सितम्बर अरहर की बुआई करे। अरहर की पूसा-६ तथा शरद प्रभेद उत्तर बिहार के लिए अनुसंशित है। बुआई के २४ घंटे पूर्व २.५ ग्राम थीरम दवा से प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचार करे। बुआई के ठीक पहले उपचारित बीज को उचित राईजोबियम कल्चर से उपचारित कर बुआई करनी चाहिए।

आज का अधिकतम तापमानः ३२.३ डिग्री सेल्सियस, सामान्य के बराबर	आज का न्यूनतम तापमानः२६.५ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से १.१ डिग्री अधिक

(डॉ० ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी